

Riyasat IAS Mentorship

Riyasat IAS  
Mentorship

# Secure Prelims Program 2026

English - हिंदी माध्यम

AN INITIATIVE UNDER **RIYASAT IAS MENTORSHIP**

*Shaping Potential  
Into Performance*



**Riyasat Ali Sir**

IAS Mentor Since 2011

**INTENSIVE & INTERATED**

**Prelims GS & CSAT PROGRAM**

**to Crack CSE 2026**

**भूगोल डेमो नोट्स - हिंदी मीडियम**

More Information: 8090528260, 9319612575, 9266989092

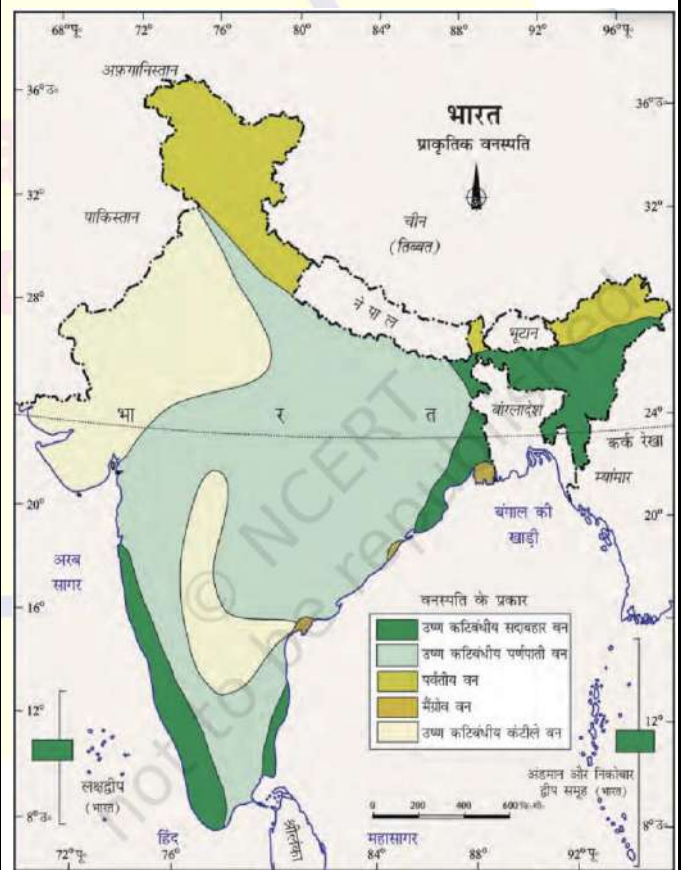
## प्राकृतिक वनस्पति

### प्राकृतिक वनस्पति:

- प्राकृतिक वनस्पति उस पादप समुदाय को कहा जाता है, जो स्वाभाविक रूप से मानव सहायता के बिना उगा हो और जिसे लंबे समय तक मानव द्वारा अप्रभावित छोड़ा गया हो। इसे ही **वर्जिन वेजिटेशन** कहा जाता है। इस प्रकार, उगाई गई फसलें, फल और बगीचे वनस्पति का हिस्सा तो हैं, लेकिन प्राकृतिक वनस्पति का हिस्सा नहीं हैं।
- हमारा देश **भारत विश्व के 12 मेगा जैव-विविधता वाले देशों में से एक है।** लगभग **47,000** पादप प्रजातियों के साथ भारत पौधों की विविधता में विश्व में दसवें और एशिया में चौथे स्थान पर है।
- वर्जिन वेजिटेशन, जो पूरी तरह भारतीय हैं, उन्हें **एंडेमिक या इंडिजिनस स्पीशीज** कहा जाता है, लेकिन जो भारत के बाहर से आए हैं उन्हें **एकज़ॉटिक प्लांट्स** कहा जाता है।

### प्राकृतिक वनस्पति को निर्धारित करने वाले कारक:

- **तापमान और आर्द्रता:** उच्च तापमान और अधिक आर्द्रता वाला क्षेत्र सदाबहार वनों को समर्थन करता है, जबकि उच्च तापमान और कम आर्द्रता वाला क्षेत्र कांटेदार झाड़ियों (मरुस्थल) को समर्थन करता है।
- **वर्षा:** अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों की तुलना में **अधिक सघन वनस्पति** होती है।
- **सूर्य प्रकाश:** ग्रीष्म ऋतु में लंबे समय तक **सूर्य प्रकाश मिलने के कारण पेड़ तेजी से बढ़ते हैं।**
- **ऊँचाई/अक्षांश:** जैसे-जैसे ऊँचाई या अक्षांश बढ़ता है, हम देखते हैं कि वनस्पति बदलती जाती है और अंततः कम होती जाती है।
- **भूमि:** पर्वतीय क्षेत्रों की वनस्पति पठारी और मैदानी क्षेत्रों की वनस्पति से **भिन्न** होती है।



- **मिट्टी:** मरुस्थल की रेतीली मिट्टियाँ कैक्टस और कांटेदार झाड़ियों का समर्थन करती हैं, जबकि आर्द्र, दलदली, डेल्टाई मिट्टियाँ मैंग्रोव और डेल्टाई वनस्पति का समर्थन करती हैं।



## प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार



उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन



उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन



उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन



पर्वतीय वन



मैंग्रोव वन

## प्राकृतिक वनस्पति के प्रकार:

**उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन:**

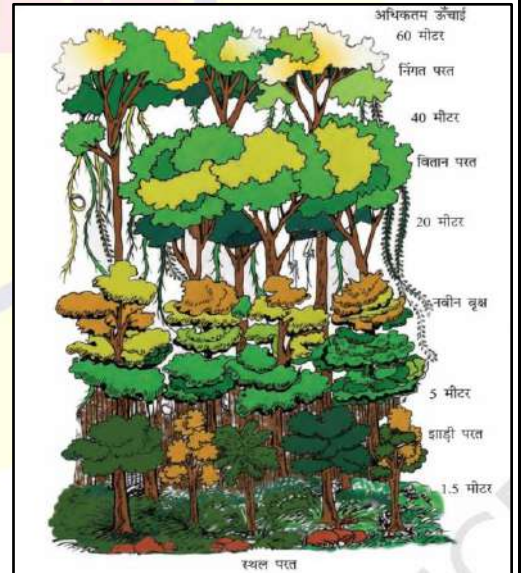



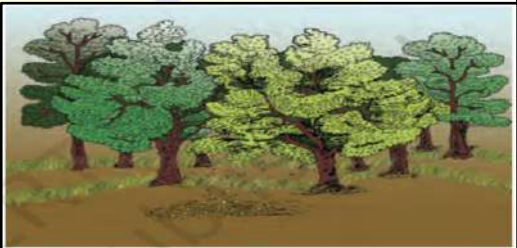
- **भौगोलिक वितरण:** पश्चिमी घाट के अधिक वर्षा वाले क्षेत्र तथा लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम के ऊपरी भाग और तमिलनाडु तट।

- **जलवायु स्थिति:** अधिक वर्षा: 200 सेमी वर्षा + छोटा शुष्क मौसम + तापमान: 22°C।

**विशेषताएँ:**

- **सूर्य प्रकाश नहीं:** ये इतने सघन होते हैं कि सूर्य का प्रकाश भूमि तक नहीं पहुँचता।
- **वृक्षों की ऊँचाई:** 60 मीटर या उससे अधिक तक।



	<ul style="list-style-type: none"> <li>• <b>स्तरित वन:</b> उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन अच्छी तरह स्तरित होते हैं।</li> <li>• <b>वस्पति विविधता:</b> सभी प्रकार की घनी वनस्पति – पेड़, झाड़ियाँ और बेलें, जो इन्हें बहु-स्तरीय संरचना प्रदान करती हैं।</li> <li>• <b>सदाबहार:</b> वृक्षों के पत्ते झाड़ने का कोई निश्चित समय नहीं होता। इस प्रकार, ये वन पूरे वर्ष हरे दिखाई देते हैं।</li> <li>• <b>महत्वपूर्ण वृक्ष:</b> आबनूस, महोगनी, रोज़वुड, रबर और सिनकोना।</li> <li>• <b>जन्तु:</b> हाथी, बंदर, लीमर और हिरण। एक सींग वाला गैंडा।</li> </ul>	
<p><b>उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वन:</b></p> 	<ul style="list-style-type: none"> <li>• <b>विशेषताएँ:</b> भारत के सबसे व्यापक रूप से पाए जाने वाले वन। इन्हें मानसूनी वन भी कहा जाता है। ये अपेक्षाकृत कम सघन होते हैं। ये वर्ष के एक विशेष समय पर अपनी पत्तियाँ गिरा देते हैं।</li> <li>• <b>वृक्ष:</b> साल, सागौन (टीक), पीपल, नीम और शीशम।</li> <li>• <b>भौगोलिक वितरण:</b> मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से।</li> <li>• <b>जलवायु स्थिति:</b> वर्षा 200 सेमी से 70 सेमी के बीच।</li> <li>• <b>जन्तु:</b> सिंह, बाघ, सूअर, हिरण और हाथी।</li> </ul>	 <p style="text-align: center; font-size: small;">चित्र 5.3: उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन</p>

उष्णकटिबंधीय  
कांटेदार वन और  
झाड़ियाँ:



- वर्षा: 70 सेमी से कम, प्राकृतिक वनस्पति में कांटेदार पेड़ और झाड़ियाँ शामिल होती हैं।
- भौगोलिक वितरण: गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और हरियाणा।

विशेषताएँ:

- पेड़ इधर-उधर बिखरे होते हैं और नमी प्राप्त करने के लिए उनकी लंबी जड़ें मिट्टी में गहराई तक जाती हैं।
- तने रसीले (succulent) होते हैं ताकि पानी संचित किया जा सके।
- पत्तियाँ अधिकतर मोटी और छोटी होती हैं जिससे वाष्पीकरण कम हो।
- पौधे वर्ष के अधिकांश समय पत्तों से रहित रहते हैं और झाड़ीदार वनस्पति का रूप देते हैं।

वनस्पति और जीव-जंतु:

- पशु प्रजातियाँ: चूहे, मूषक, खरगोश, लोमड़ी, भेड़िया, बाघ, सिंह, जंगली गधा, घोड़े और ऊँट।
- वृक्ष प्रजातियाँ: बबूल, खजूर, यूफोर्बिया, कैक्टस, बेर, जंगली खजूर का पेड़, खैर, नीम, खेजड़ी, पलाश।
- घास: गुच्छेदार (tussocky) घास 2 मीटर तक ऊँची उगती है और अधोविकास (under growth) बनाती है।

## मरुस्थलीय पौधों के अनुवृद्धन

कुछ पौधों में अतिज रूप से सतह के ठीक नीचे जड़ें होती हैं।

छोटे पत्ते या कांटे, चिकने या मोमी पत्ते पानी की कमी से बचाते हैं।

बीज कई वर्षों तक सुप्त अवस्था में रह सकते हैं, लेकिन बारिश पड़ते ही वे तेजी से अंकुरित हो जाते हैं।

कुछ पौधों में गहरी जड़ें (7-10 मीटर तक) होती हैं। भूजल तक पहुंचने में मदद करती हैं।

बीज कठे अपने तनों, पत्तियों या फलों में पानी संचित करते हैं। ऐसे पौधों को रसदार पौधे (Succulents) कहा जाता है।

कुछ पौधे अपने तनों, पत्तियों या फलों में पानी संचित करते हैं। ऐसे पौधों को रसदार पौधे (Succulents) कहा जाता है।

## पर्वतीय वन :



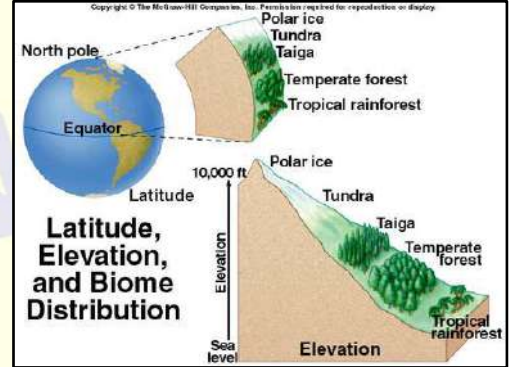
- ऊँचाई बढ़ने पर तापमान में कमी के कारण प्राकृतिक वनस्पति में भी परिवर्तन होता है।

<b>अल्पाइन वनस्पति:</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिल्वर फर, जुनिपर, चीड़, भोजपत्र और रोडोडेंड्रोन इन हैं।</li> <li>• हालाँकि, जैसे-जैसे ये बर्फ रेखा (snow line) के निरवृद्धि धीरे-धीरे बौनी (stunted) होती जाती है।</li> </ul>
<b>अल्पाइन घासभूमि:</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• अंततः झाड़ियों और कांटेदार पौधों के माध्यम से ये आमिल जाती हैं।</li> <li>• इनका व्यापक रूप से चराई एवं घुमंतू जनजातियों जैसे भोटिया और गद्दी द्वारा ऋतु-आधारित स्थानांतरण (transhumance) के लिए उपयोग किया जाता है।</li> </ul>
<b>टुंड्रा वनस्पति:</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• ऊँचाई वाले क्षेत्रों में कार्ब (mosses) और लाइक वनस्पति का हिस्सा बनते हैं।</li> </ul>

- **जन्तु:** कश्मीर हिरन, चीतल (spotted deer), जंगली भेड़, जैकरैबिट, तिब्बती मृग, याक, हिम तेंदुआ, गिलहरियाँ, झबरीले सींग वाला जंगली आइबेक्स, भालू और दुर्लभ लाल पांडा, मोटे बालों वाली भेड़ और बकरियाँ।
- **दक्षिणी पर्वतीय वन:** प्रायद्वीपीय भारत के तीन विशिष्ट क्षेत्रों में पाए जाते हैं – पश्चिमी घाट, विन्ध्य और नीलगिरी। ये वन पश्चिमी घाट के निचले क्षेत्रों, विशेषकर केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में उपोष्णकटिबंधीय होते हैं।
- **शोला वन (Sholas Forests):** नीलगिरी, अन्नमलाई और पलनी की पहाड़ियों में समशीतोष्ण वनों को शोला कहा जाता है। ये सतपुड़ा और मैकाल पर्वतमाला में भी पाए जाते हैं।
- **वृक्ष:** मैग्नोलिया, लॉरेल, सिनकोना और वेटल (wattle)।

## टुंड्रा वन :

<b>अल्पाइन वन</b>	3,600 मी० से अधिक ऊँचाई
<b>शीतोष्ण कटिबंधीय वन</b>	
<b>शंकुधारी वृक्ष</b>	1,500 से 3,000 मी०
<b>आर्द्र शीतोष्ण कटिबंधीय वन</b>	1,000 मी० से 2,000 मी०



## मैंग्रोव वन :



मैंग्रोव वन

- **स्थिति:** ऐसे तटीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं जो ज्वार-भाटा (tides) से प्रभावित होते हैं। इन तटों पर कीचड़ और गाद (mud and silt) जमा होती है + पौधों की जड़ें पानी में डूबी रहती हैं।
- **क्षेत्र:** गंगा, महानदी, कृष्णा, गोदावरी और कावेरी के डेल्टा क्षेत्र।
- **वृक्ष:** सुंदरी वृक्ष, पाम, नारियल, केओरा, अगर।
- **जन्तु:** रॉयल बंगाल टाइगर, कछुए, मगरमच्छ, घड़ियाल और साँप।
- **विशेष तथ्य:** मैंग्रोव वन 6,740 वर्ग किमी में फैले हैं जो विश्व के मैंग्रोव वनों का 7% है।
- ये सबसे अधिक विकसित हैं अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में।



## भारत में वन आवरण: India State of Forest Report (ISFR) - 2023

- कुल वन और वृक्ष आवरण: 25.17%
  - वन आवरण (Forest cover): 21.76%
  - वृक्ष आवरण (Tree cover): 3.41%
- सबसे बड़ा वन आवरण (क्षेत्र के हिसाब से): मध्य प्रदेश > अरुणाचल प्रदेश > छत्तीसगढ़
- अधिकतम प्रतिशत वन आवरण: लक्षद्वीप (91.33%), मिजोरम (85.34%), अंडमान और निकोबार (81.62%)
- राष्ट्रीय वन नीति, 1988: देश के भौगोलिक क्षेत्र का 33% वन और वृक्ष आवरण के अंतर्गत लाना लक्ष्य

**FOREST (CONSERVATION) ACT, 1980:**  
REQUIRES CENTRAL APPROVAL FOR USING FOREST LAND FOR NON-FOREST PURPOSES



**INDIAN FOREST ACT, 1927:**  
CLASSIFIES FORESTS INTO RESERVED, PROTECTED, AND VILLAGE FORESTS FOR LEGAL PROTECTION




**WILDLIFE PROTECTION ACT, 1972:**  
PROTECTS FOREST AREAS BY ESTABLISHING NATIONAL PARKS AND SANCTUARIES

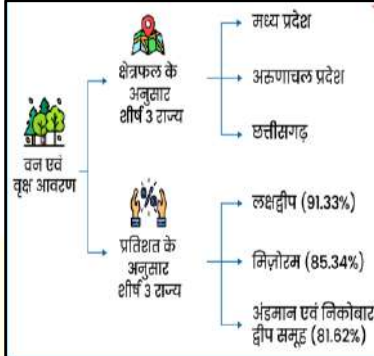


# Riyasat IAS Mentorship

- भारत में सबसे बड़ा वन आवरण (क्षेत्रवार): मध्य प्रदेश > अरुणाचल प्रदेश > छत्तीसगढ़ > ओडिशा > महाराष्ट्र

## वन आवरण वर्गीकरण

<b>उच्चि साधन वन</b> वृक्ष चितान (कैनोपी) घनत्व: 70% और उससे अधिक	
<b>मध्यम साधन वन</b> वृक्ष चितान घनत्व: 40% से लेकर 70% से कम तक	
<b>खुला वन</b> वृक्ष चितान घनत्व: 10% से लेकर 40% से कम तक	
<b>झाडीदार वन क्षेत्र (Scrub)</b> 10% से कम चितान घनत्व वाली वन भूमि	



**NATIONAL FOREST POLICY, 1988:**  
AIMS TO BRING 33% OF INDIA'S LAND UNDER FOREST COVER

**FOREST RIGHTS ACT, 2006:**  
GRANTS RIGHTS TO FOREST DWELLERS WHILE PROMOTING SUSTAINABLE FOREST MANAGEMENT

Riyasat IAS  
Mentorship